बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन
जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-८०० ००१

दूरभाष :
अध्यक्ष : 226623 (R)
महासचिव : 220227 (O), 286865 (R)
कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू० एन० सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी० एल० दास)

उपाध्यक्ष
फेराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
अर्जुन प्रसाद
कृष्ण मुरारी शर्मा

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

Truth Will Triumph

पत्र संख्या.....

प्रेस विज्ञप्ति

पटना
दिनांक 8-10-2000

दिनांक 8•10•2000 को बिहार प्रशासनिक सेवा संघ की एक बैठक महासचिव श्री गंगाधर लाल दास की अध्यक्षता में हुई एवं बेमियादी हड़ताल के स्थिति की समीक्षा की गई । दशहरा के अवकाश के कारण पूर्व के घट्टानी एकता में किसी तरह के बदलाव की कल्पना नहीं की जा सकती है ।

आज की बैठक में दिनांक 4•10•2000 को स्टार प्लस पर " आज की बात" समाचार में बिहार विभाजन के अवसर पर पदाधिकारी/ कर्मचारी के झारखंड राज्य में सेवा देने संबंधी आप्सन पर बिहार के गृह सचिव श्री यू० एन० पंजियार के टिप्पणी को हास्यास्पद बताया गया एवं 70 % से अधिक कर्मचारी/ पदाधिकारी के झारखंड राज्य में आप्सन देने के लिए उनके दिये गये तर्क को एक " ले मेन्स " तर्क को छोड़कर किसी भी रूप में तथ्य परक नहीं कहा जा सकता है । यह बात तो समझ में आ सकती है कि झारखंड क्षेत्र के निवासी अपने ही राज्य में रहें, परंतु उत्तरवर्ती बिहार के पदाधिकारी क्यों इतनी बड़ी संख्या में झारखंड में अपनी सेवा देना चाहते हैं, जबकि उसके 18 जिला में 12 उग्रवाद प्रभावित है । स्पष्ट है कि वहाँ जो राजनीतिक फेर-बदल होने जा रहा है उससे लोगों को काफी अधिक अपेक्षाएँ हैं । नये राज्य के प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार की बहुत बड़ी आशा है । आशा है भा०प्र०से० के पदाधिकारियों में जड़ तक जमा लेने वाली भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी। असल में शेष उत्तर बिहार में विगत कई वर्षों में लगातार प्रशासनिक व्यवस्था में ह्रास सरकार की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है । यहाँ की प्रशासनिक व्यवस्था मात्र एक-दो वरिष्ठ नौकरशाह के हाथ में है जिनके हाथों सरकार कठपुतली बन गई है । यही कारण है कि वर्ष 1965 ई० तक भारत का सर्वोत्तम प्रशासनिक व्यवस्था का प्रदेश रहा बिहार अब निकृष्टतम प्रशासनिक प्रदेश रह गया है । 60 के दशक में औद्योगिक मानचित्र पर छाया रहा बिहार अब अंतिम से

कृ०पृ०उ०-2

बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन

जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-८०० ००१

दूरभाष :

अध्यक्ष : 226623 (R)

महासचिव : 220227 (O), 286865 (R)

कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू० एन० सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी० एल० दास)

उपाध्यक्ष
फेराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
अर्जुन प्रसाद
कृष्ण मुरारी शर्मा

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

Truth Will Triumph

पत्र संख्या.....

पटना

दिनांक.....

पहले नम्बर पर पिछड़ कर रह गया है ।

वर्ष १० में विकास की दर जो 2•41 थी वह वर्ष ११ में घटकर 2•43 हो गई है एवं वर्ष 2000 में बिहार प्रशासनिक सेवा के पदा० के लंबी हड़ताल में रहने के कारण और घटने ही वाला है । आखिर इस राज्य को इस कदर हड़ताली एवं घोटालों का प्रदेश बनाने, निकृष्टतम प्रशासनिक स्तर, पिछड़े राज्यों के अगली पंक्ति में बिहार को लाने का श्रेय किसे है ? स्पष्ट है कि इसके जिम्मेवार राज्य के वरिष्ठतम् एक -दो नौकरशाह हैं जिनके ट्यून एवं दिशा -निदेश पर सारे नौकरशाह चलने को विव हैं तथा इसी कारण इच्छा रखते हुए सरकार की इच्छा शक्ति क्षीण हो गई है । पता नह प्रदेश की इस बिगड़ती स्थिति के जिम्मेदार वरिष्ठ नौकरशाह से सरकार पिंड क्यों नह छुड़ाती है एवं सही सलाहकारों को साथ क्यों नहीं लेती है ? ये ही कारण है कि पदा-धिकारी संवर्ग में भा० प्र० से०/भा० आ० सेवा/बिहार प्रशासनिक सेवा से लेकर आरक्षी वर्ग के अवर निरीक्षक तक के पदाधिकारीगण के 70 फीसदी से अधिक पदाधिकारी झारखंड राज्य में अपनी सेवा देने का आप्सन दिया है ।

क्या ये सारी बातें सरकार की आखें खोलने के लिए पर्याप्त नहीं है एवं क्या सरकार अपने विवेक का सही इस्तेमाल कर राज्य को विनोश पर जाने से बचाने का प्रयास करेगी जिनके और भी अनेक कारण हैं एवं रोज मर्रा में हम देखते एवं अनुभव करते हैं ?.

उक्त परिदृश्य में हम सरकार से पुनः अनुरोध करते हैं कि वह किसी के भुलावे का शिकार नहीं बनकर वास्तविकता को स्वीकार करे एवं बि० प्र० से० के पदा० का सामाजिक विकास की अहमियता के आलोक में उसकी जायज एवं स्वीकृत मांगों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराकर हड़ताल को समाप्त कराने का सकारात्मक पहल करें

....3/पर

बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन

जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-८०० ००१

दूरभाष :
अध्यक्ष : 226623 (R)
महासचिव : 220227 (O), 286865 (R)
कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू० एन० सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी० एल० दास)

उपाध्यक्ष
फेराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
अर्जुन प्रसाद
कृष्ण मुरारी शर्मा

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

Truth Will Triumph

पत्र संख्या.....

पटना
दिनांक.....

या अगर हमारी सेवा की प्रासंगिकता शेष बिहार में नहीं है तो यहाँ हमारे उपसमाहर्ता संवर्ग को पूर्णत: समाप्त करते हुए हमारी सेवा प्रस्तावित झारखंड राज्य में दे दी जाय जिसके लिए हमने लिखित रूप से पत्र मुख्य सचिव, बिहार को दे दिया है ताकि ~~हो एक~~ अपनी सेवा के कब्र पर पैर रखें वरिष्ठ/शीर्ष भा० प्र० से० के पदाधिकारी के कुत्सित मानसिकता के शिकार न होकर इस जिल्लत की जिन्दगी जीने को मजबूर न हो ।

संघ के सदस्यों को उनकी चट्टानी एकता के लिए धन्यवाद के साथ उसे आन्दोलन के अंतिम सकारात्मक परिणति तक बनाये रखने का आह्वान की ~~जाती है~~ एवं वरिष्ठ नौकरशाहों के किसी भी भ्रामक समाचार एवं अफवाह से बचने के लिए सचेत किया ~~जाता~~ है ।

जय संघ

जय भारत ।

(जी० एल० दास)
महासचिव

ज्ञापांक -182-/ दिनांक - 8·10·2000

प्रतिलिपि- निदेशक, आकाशवाणी/दूरदर्शन, पटना/ब्यूरो प्रमुख, यू०एन०आई/पी०टी०आई०/एक्सप्रेस मीडिया सर्विस/समाचार संपादक सभी दैनिक हिन्दी/अंग्रेजी समाचार-पत्र में प्रसारण एवं प्रकाशन हेतु सूचनार्थ प्रेषित ।

8.10.2000

(जी० एल० दास)
महासचिव ।